दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गोरखपुर सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे | 5 जेल से भागे दो बंदी | 8 पाकिस्तानी अंपायर की करतूत देख हंस पड़ेंगे

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 32 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 02 फरवरी, 2026

बैंकिंग और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर

टैक्स के खौफ से आजादी, गलती पर जेल नहीं जुर्माना, बदलेगा भारत के टैक्स सिस्टम का चेहरा

नई दिल्ली,एजेंसी। मोदी सरकार ने टैक्स सिस्टम की सोच बदलने का बड़ा कदम उठाया है। जन–विश्वास 2.0 के जरिए यह साफ संदेश दिया गया है कि हर करदाता अपराधी नहीं और हर तकनीकी गलती टैक्स चोरी नहीं होती। छोटी चूकों को अब आपराधिक अपराध नहीं माना जाएगा। लाखों टैक्स विवादों के बीच सरकार का यह दांव मुकदमेबाजी घटाकर भरोसे का माहौल बनाने की कोशिश है।

भारत का टैक्स सिस्टम अब डराने वाला नहीं, बल्कि भरोसे का जरिया बनेगा। मांग पुरानी थी, लेकिन अर्थ जगत में वैश्विक स्तर पर असमंजस और अविश्वास के माहौल में मोदी सरकार ने अब टैक्स देने वालों का भरोसा जीतने का बड़ा दांव खेला है। सरकार ने टैक्स टेररिज्म की जड़ों पर प्रहार करते हुए जन–विश्वास 2.0 को जमीन पर उतारने का ताकतवर प्रयास किया है। बजट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हर करदाता अपराधी नहीं है और हर तकनीकी चूक टैक्स चोरी नहीं होती।

दशकों से विडंबना रही है कि टीडीएस जमा करने में मामूली देरी या कागजी दस्तावेज की छोटी सी गलती भी कारोबारियों को कचहरी और जेल के दरवाजे तक ले जाती थी।

बजट–2026 इसी मानसिकता को बदल रहा है। नीति आयोग की सिफारिशों को अमली जामा पहनाते हुए सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अनजाने में हुई गलतियों को अब आपराधिक नहीं माना जाएगा, बल्कि केवल नागरिक दंड तक सीमित रखा जाएगा।

भारी पड़ रही मुकदमेबाजी

सरकार की कवायद इसलिए भी जरूरी थी, क्योंकि टैक्स विवादों के चलते देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अदालतों की फाइलों में कैद है। इतना ही नहीं, करीब 16. 75 लाख करोड़ रुपये की विशाल राशि विवादों में फंसी है।

यह वह पैसा है, जो उद्योगों और स्टार्टअप्स की धड़कन बन सकता था, पर कारोबारी अदालतों के चक्कर काटने में परेशान हैं। अदालतों और ट्रिब्यूनलों में आयकर अपील के 5.4 लाख मामले लंबित हैं, जबकि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में 40 हजार से अधिक मामले न्याय की राह देख रहे हैं।

मोटर दुर्घटना मुआवजा ब्याज पर आयकर व टीडीएस खत्म

मोटर दुर्घटना पीड़ितों को भी बड़ी राहत दी गई है। दुर्घटना मुआवजे पर अर्जित ब्याज को आयकर अधिनियम के तहत टैक्स मुक्त किया जाएगा। इस ब्याज राशि पर टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (टीडीएस) की व्यवस्था भी समाप्त कर दी है।

मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण की ओर से किसी व्यक्ति को दिए गए मुआवजे पर मिलने वाला ब्याज अब आय की श्रेणी में नहीं आएगा। इस पर न तो आयकर लगेगा, न ही टीडीएस कटेगा। इससे हादसों में घायल व्यक्तियों और मृतकों के परिजनों को सीधा लाभ मिलेगा, जिन्हें अब पूरी ब्याज राशि मिल सकेगी। यह मुद्दा अरसे से विवाद का विषय रहा है और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

एमएसएमई को बड़ी राहत

सबसे ज्यादा मार झेलने वाले छोटे व मझोले कारोबारियों (एमएसएमई) के लिए बजट संजीवनी लेकर आया है। टीसीएस और टीडीएस फाइलिंग में देरी को अब अपराध की श्रेणी से बाहर करना एक ऐतिहासिक पहल है।

अप्रैल 2026 से लागू होने जा रहा नया आयकर एक्ट–2025 इसी भरोसे की नींव पर खड़ा होगा, जिसका मकसद जटिल कानूनों को सरल बनाना और विभाग के असीमित विवेकाधिकारों पर लगाम कसना है।

राहत कैसे होगी मुकम्मल?

आयकर में शुरू हुई यह राहत तभी मुकम्मल होगी जब जीएसटी के कठोर प्रावधानों में भी इसी तरह का लचीलापन दिखेगा। अब सरकार ने हाथ तो बढ़ाया है, पर भरोसे का यह सेतु तभी बनेगा जब विभाग का कलेक्टर वाला रवैया बदलकर फैसिलिटेटर यानी सुविधा देने वाला हो जाए। सरकार के सूत्रों का कहना है कि जब दुनिया में अविश्वास का संकट है तो देश के लोगों पर विश्वास जता कर और उनका दिल जीतकर ही मौजूदा चुनौतियों को धराशायी किया जा सकता है। मतलब..अपने तो अपने होते हैं।

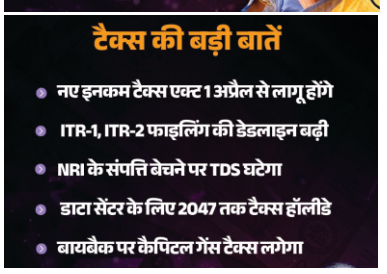

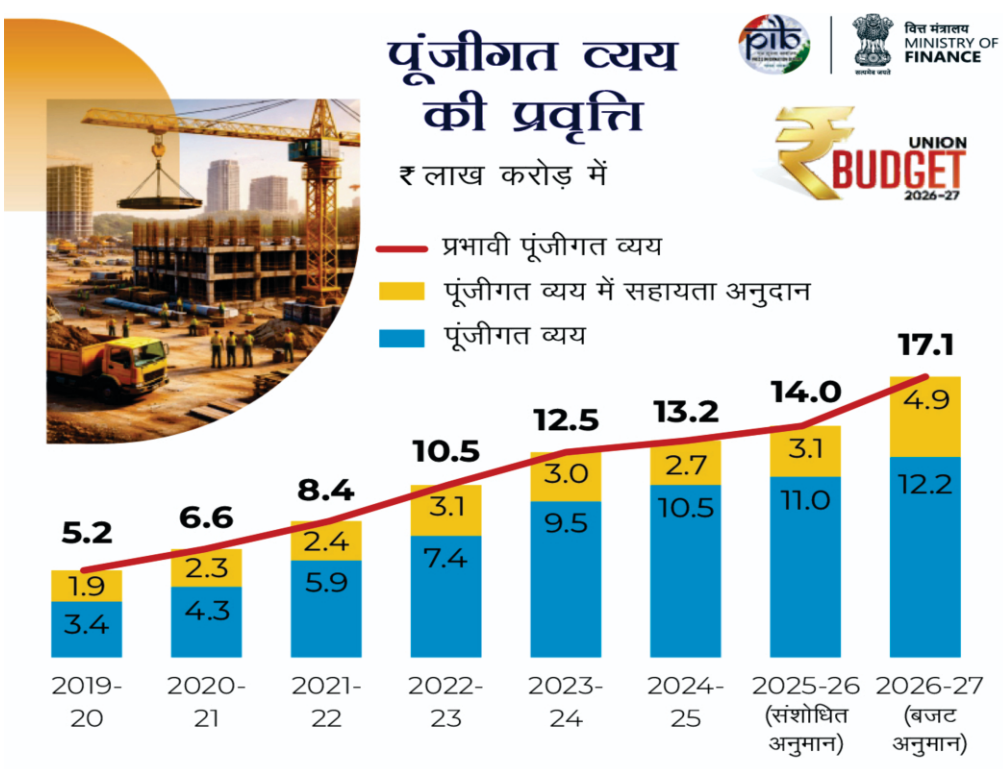

सम्पादकीय

महाराष्ट्र की राजनीति, बदलने के संकेत

अजीत पवार का निधन, महाराष्ट्र की राजनीति में गहरा शून्य। एनसीपी के दोनों गुटों के एक होने की संभावना बढ़ी। शरद पवार के सामने परिवार और पार्टी का भविष्य।

अजीत पवार के निधन से जीवन का यही सच पुनः रेखांकित हुआ कि नियति के आगे इंसान बेबस है। जिस शख्स ने अपने नाम और काम से महाराष्ट्र की राजनीति में 'दादा' का संबोधन हासिल किया, विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद उसकी पहचान 'घड़ी' से करनी पड़ी। संयोगवश 'घड़ी' अजीत की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का चुनाव चिह्न है। अजीत के नाम पर ही देश में सबसे ज्यादा छह बार उपमुख्यमंत्री बनने का कीर्तिमान है। सत्ता–प्रेम के चलते उनके रास्ते अपने चाचा शरद पवार से भी अलग हो गए, जिनकी अंगुली पकड़ कर वह राजनीति में आए थे। लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद अजीत की एनसीपी ने विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन से चौंकाया। वे चाचा शरद पवार की पार्टी पर भारी पड़े, पर राजनीति असीमित संभावनाओं का खेल है। इधर दोनों गुट नजदीक भी आने लगे थे। हाल के निकाय चुनावों में कुछ जगह दोनों गठबंधन कर चुनाव लड़े थे, तो आसन्न जिला पंचायत चुनाव भी मिलकर लड़ने का मन बन गया था। इसलिए राजनीतिक गलियारों में बड़ा सवाल यही है कि क्या अजीत के निधन के बाद पवार परिवार और एनसीपी के दोनों गुट एक होंगे?

राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय शरद पवार द्वारा महाराष्ट्र की राजनीति अजीत को सौंप देने के बाद उन्हें ही राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जा रहा था, लेकिन बेटी सुप्रिया सुले की बढ़ती राजनीतिक सक्रियता से भतीजे की महत्वाकांक्षाएं टकराने लगीं। यह टकराव पहली बार सतह पर तब आया, जब 2019 में राजभवन में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री और अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री की एकाएक शपथ ले ली। वह सरकार लगभग 82 घंटे ही चल पाई, पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में बनी वैकल्पिक सरकार में एनसीपी कोटे से अजीत को ही उपमुख्यमंत्री बनाने से संदेश गया कि पवार परिवार की दरारें भर गई हैं।

वह खुशफहमी तभी तक बरकरार रह पाई, जब तक कि शिवसेना में विभाजन से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा नई सरकार बनवाने में सफल नहीं हो गई। सरकार को विधानसभा में बहुमत प्राप्त था, फिर भी अजीत पवार एनसीपी तोड़ कर उसमें उपमुख्यमंत्री बन गए। उसके मूल में अजीत के सत्ता–प्रेम के साथ–साथ शिंदे पर भाजपा का अविश्वास भी बड़ा कारक रहा। 2024 के चुनाव में 288 सदस्यीय विधानसभा में अकेले दम 132 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ने शिंदे और अजीत को उपमुख्यमंत्री बनाते हुए गठबंधन सरकार बनाई। दरअसल अपेक्षाकृत विश्वसनीय अजीत को भाजपा अति महत्वाकांक्षी शिंदे पर नियंत्रण के लिए भी इस्तेमाल करती रही।

अब जबकि अजीत पवार नहीं रहे, तो सवाल यही है कि क्या फडणवीस सरकार के समीकरण भी बदलेंगे? जाहिर है, इन दोनों सवालों का सही जवाब पवार परिवार की राजनीति पर निर्भर करेगा। पवार परिवार और उसकी राजनीति को जानने वाले मानते हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में मराठा राजनीति जिस तरह हाशिये पर खिसक गई है, उसके मद्देनजर खोया हुआ रुतबा पाने के लिए एनसीपी के दोनों गुटों के समक्ष एकता के अलावा कोई विकल्प नहीं। बेशक बेहतर पारिवारिक समझदारी इसमें मददगार होगी, लेकिन राजनीतिक सत्ता का बंटवारा तो करना ही पड़ेगा। आखिर विधानसभा चुनाव में चाचा पर भारी पड़े भतीजे का परिवार राजनीतिक सत्ता में अपना हिस्सा क्यों नहीं चाहेगा? भाजपा को स्वाभाविक ही अजीत की पत्नी सुनेत्रा या दोनों बेटों–पार्थ और जय में से एक को उपमुख्यमंत्री बनाने में भी कोई रणनीतिक समस्या नहीं होगी, लेकिन बिना करिश्माई नेतृत्व के वह व्यवस्था कितनी लंबी चल पाएगी?

बेशक प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे नेता भी हैं, पर 2029 में जब लोकसभा और विधानसभा चुनाव होंगे, तो एनसीपी के अजीत गुट को चुनाव जिताऊ चेहरा चाहिए होगा। ऐसे में जीवन के संध्याकाल में खड़े शरद पवार को परिवार की सत्ता महत्वाकांक्षाओं में तर्कसम्मत संतुलन बिठाना होगा। सबसे अहम होगा एकजुट एनसीपी का नेतृत्व। खुद मार्गदर्शक की भूमिका स्वीकारते हुए शरद पवार अपनी बेटी को दिल्ली और अजीत के परिवार द्वारा चुने गए उत्तराधिकारी को महाराष्ट्र की राजनीति सौंप कर एकता का फार्मूला निकाल सकते हैं, लेकिन एकजुट एनसीपी की राजनीतिक राह चुनना दूसरी बड़ी चुनौती होगी। क्या बुजुर्ग पवार अपने भतीजे के परिवार और बेटी को सत्ता राजनीति में स्थापित करने के लिए विपक्षी मोर्चे आइएनडीआइए का मोह त्याग कर राजग में शामिल होंगे? वैसे भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में शायद ही कोई ऐसा हो, जिससे पवार का सीधा संपर्क और संवाद न हो। पवार तो कहे भी 'पावर प्लेयर' जाते हैं।

अगर एकजुट एनसीपी राजग में शामिल होती है, तो न सिर्फ महाराष्ट्र में सत्ता के माहिर सौदेबाज एकनाथ शिंदे पर भाजपा की निर्भरता समाप्त हो जाएगी, बल्कि आगामी लोकसभा चुनाव में देश के दूसरे बड़े राज्य से ज्यादातर सीटें जीत कर अपने दम पर बहुमत हासिल करना भी आसान हो जाएगा। अगर राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के टकराव के चलते एनसीपी के दोनों गुट एक नहीं हो पाए, तो ज्यादा संभावना देर–सबेर अजीत गुट के भाजपा में विलय की रहेगी, क्योंकि उसके 41 विधायक अगले चुनाव में भी जीत कर विधानसभा में लौटना चाहेंगे, जिसके लिए बड़े दल या नेता का नाम चाहिए।

भारत–यूरोप 'मदर डील'

अंततः भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया। करीब 19 साल की माथापच्ची, उधेड़बुन, असमंजस, सवाल समाप्त हुए और दोनों लोकतांत्रिक शक्तियां 'मदर डील' पर सहमत हुईं। आपस में हस्ताक्षर कर दिए गए और दस्तावेजों का आदान–प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने इस सर्वाधिक व्यापक 'मुक्त व्यापार समझौते' (एफटीए) की घोषणा कर नई विश्व–व्यवस्था की बुनियाद रख दी। व्यापक और विश्व व्यवस्था परिवर्तनकारी इसलिए माना जा सकता है, क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक एफटीए के दायरे में होगी। भारत–यूरोप की अर्थव्यवस्था दुनिया की जीडीपी की 25 फीसदी है और दुनिया का एक–तिहाई व्यापार दोनों के बीच है, जिसे 2032 तक 40 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय संघ विश्व की दूसरी (27 देशों को मिला कर) और भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा यह 'मदर डील' ही है। इस एफटीए से अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की 'टैरिफ दादागीरी' का बड़ा रचनात्मक और शालीन जवाब दिया गया है। इसके अलावा, चीन के समानांतर भारत को 'इनोवेशन एंड मैन्यूफैक्चरिंग हब' बनाने का लक्ष्य तय कर चीनी वर्चस्व को भी चुनौती दी गई है, लिहाजा वाकई यह 'मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स' है। चीन में करीब 1700 यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं। क्या अब वे भारत शिफ्ट हो सकती हैं? इसकी प्रबल संभावना बन गई है। गौरतलब यह है कि जब 2027 में यह एफटीए यूरोप के सभी 27 देशों में लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 फीसदी से अधिक उत्पाद, सामान या तो 'टैरिफ–मुक्त' होंगे अथवा रियायती शुल्क ही देना पड़ेगा। मसलन–जैतून का तेल, वनस्पति तेल, ऑप्टिकल उपकरण, मशीनरी, रासायनिक एवं सर्जिकल उपकरण, फार्मा (खासकर जेनेरिक दवाएं), वस्त्र, रत्न–आभूषण, चमड़ा एवं जूते–चप्पल, चॉकलेट, पास्ता आदि लंबी सूची है।

अधिकतर उत्पादों और उपकरणों को 'टैरिफ–मुक्त' तय किया गया है। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर के यूरोपीय बाजार में 2030 तक भारतीय उत्पादों का निर्यात 300 अरब डॉलर तक ले जाने का भी लक्ष्य रखा गया है। इससे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कानपुर, आगरा के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसएमई) का व्यापारिक लाभ काफी बढ़ सकता है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने खुलासा किया है कि 4 अरब यूरो से अधिक के टैक्स खत्म करने का फैसला किया गया है। इससे दोतरफा व्यापार बढ़ेगा, लाखों नौकरियां पैदा होंगी, दोनों पक्षों की प्रतिभाएं, छात्र, शोधार्थी और पेशेवर एक–दूसरे के देशों में सहजता से आ–जा सकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक, 8 लाख से अधिक भारतीय इस समय यूरोप के देशों में बसे हैं और काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस व्यापार समझौते को 'साझा समृद्धि का ब्लू प्रिंट' करार दिया है। गौरतलब यह भी है कि भारत की करीब 1500 कंपनियां फिलहाल यूरोप में सक्रिय हैं। एफटीए के बाद नीदरलैंड से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण होगा, लिहाजा 2030 तक भारत विश्व के शीर्ष 5 सेमीकंडक्टर हब में आ सकता है। फ्रांस, जर्मनी, इटली सरीखे देश भारत में रक्षा–फैक्टरियां स्थापित कर सकेंगे। अभी यूरोपीय कारें भारत में बहुत महंगी पड़ती हैं, क्योंकि उन पर 110 फीसदी टैक्स है। अब आगामी पांच साल में, चरणबद्ध तरीके से, यह टैक्स मात्र 10 फीसदी तक लाया जाएगा। जो लोग ऑडी, मर्सेडीज, फॉक्सवैगन, पोर्शे, बीएमडब्ल्यू सरीखी यूरोपीय कारों के शौकीन हैं, उनके लिए यह एफटीए भारी बचत की खबर लाया है। अब यूरोपीय बीयर पर टैरिफ 50 फीसदी कम किया गया है और शराब पर 40 फीसदी ही टैक्स लगेगा, जबकि अभी यह टैक्स 150 फीसदी तक है। भारत–यूरोप की यह 'मदर डील' बहुआयामी है, क्योंकि यह बहुपक्षीय गठबंधन की पक्षधर है। दुनिया के देश किसी एक–दो देशों की धमकियों के दबाव में कांपते और डरते न रहें, लिहाजा ऐसी डील कर जवाब दिया गया है।

श्रम उत्पादकता में सुधार का समय

उत्पादक क्षमता में विस्तार ही आर्थिक वृद्धि का आधार है। यह उत्पादकता पूंजी, तकनीक और श्रम बल जैसे पहलुओं के मिश्रण पर निर्भर करती है। इसमें भी श्रम एक महत्वपूर्ण अवयव है। श्रम के माध्यम से अन्य संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित होता है। श्रम बल के उचित योगदान के अभाव में पूंजी और तकनीक जैसे अन्य संसाधन भी अभीष्ट की पूर्ति में पर्याप्त रूप से प्रभावी नहीं रह जाते। उत्पादक क्षमताओं की पड़ताल करें तो अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आइएलओ के अनुसार भारत की श्रम उत्पादकता प्रति कार्य घंटे आठ अमेरिकी डालर है। जबकि इसी पैमाने पर विश्व में सिरमौर लक्जमबर्ग की प्रति घंटे श्रम उत्पादकता 146, आयरलैंड की 143, नार्वे की 93 और सिंगापुर की 74 डालर है। भारत की श्रम उत्पादकता जी–20 देशों में सबसे कम है। यहां तक कि मध्यम आय और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले मेक्सिको, ब्राजील जैसे देश भारत की तुलना में प्रति कार्य घंटे कई गुना अधिक उत्पादन करते हैं। भारत सप्ताह में 46–48 घंटे काम करने वाले देशों में शीर्ष पर है, जो चीन और जापान से भी अधिक है। इसके परिणामस्वरूप बहुत कम वेतन के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद सीमित प्रति श्रमिक उत्पादन के कारण नुकसान उठाने के लिए मजबूर है। भारत इस मोर्चे पर बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले कम प्रतिस्पर्धी है। इस स्थिति को सुधारने के लिए मोदी सरकार ने बीते नवंबर में श्रम सुधारों की दिशा में कदम उठाए हैं। देश में पहले 29 श्रम कानून थे, जो जटिलताओं से भरे थे। औपनिवेशक कार्यसंस्कृति से ओतप्रोत ये कानून समय के अनुरूप सुसंगत भी नहीं हो पा रहे थे। इनमें 1436 प्रविधान, 181 फार्म, आठ अलग–अलग पंजीकरण और 31 रिपोर्टिंग कसौटियां थीं। इसने जहां व्यापार सुगमता की राह बाधित की तो श्रमिकों को अपेक्षित सुरक्षा आवरण से भी वंचित बनाए रखा। अब इन 29 कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेट दिया गया है। इनमें वेतन संहिता (2019), औद्योगिक संबंध संहिता (2020), सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां संबंधी संहिता (2020) 21 नवंबर से प्रभावी हो गई हैं। ये सुधार अनुपालन के सरलीकरण, परिभाषाओं के मानकीकरण, कवरेज दायरे के विस्तारीकरण की राह पर बढ़ते हुए कामकाजी आबादी की वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर ढांचागत परिवर्तनों की ओर उन्मुख करते हैं।

सवालों के घेरे में लिव इन संबंध वैवाहिक संस्था का विकल्प नहीं हो सकता

लिव इन समर्थकों को सोशल साइंस रिसर्च में प्रकाशित शोध 'कोहैबिटेशन डिसोल्यूशन एंड साइकोलाजिकल डिस्ट्रेस अमंग यंग अडल्ट्स' को पढ़ना चाहिए। इस शोध के अनुसार लिव–इन संबंध टूटने के बाद अवसाद, मानसिक तनाव और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। लिव–इन संबंध का टूटना एक गंभीर तनावपूर्ण जीवन–घटना है, जिसके दूरगामी और घातक मनोवैज्ञानिक परिणाम हो सकते हैं। हाल में मद्रास हाई कोर्ट ने लिव–इन रिलेशनशिप के चलन पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे रिश्तों में महिलाओं को पत्नी का दर्जा देकर सुरक्षा दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा, 'लिव–इन रिलेशन भारतीय समाज के लिए एक सांस्कृतिक झटका है, लेकिन ये बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। लड़कियां सोचती हैं कि वे माडर्न हैं और लिव–इन रिलेशनशिप में रहने का फैसला करती हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हें आभास होता है कि यह रिश्ता शादी की तरह कोई सुरक्षा नहीं दे रहा है।' तमाम अदालतें निरंतर इसके लिए चेता रही हैं कि लिव इन रिलेशनशिप अपेक्षाकृत लड़कियों के लिए सामाजिक स्तर पर कहीं अधिक नुकसानदायक है, लेकिन शायद युवाओं के लिए आधुनिक होने का तात्पर्य पश्चिमी संस्कृति को अपनाना हो गया है। उनका यह सोच उन्हें ऐसी स्थितियों में धकेल देता है, जहां से निकलने का हर प्रयास नाकाम हो जाता है। अगर ऐसा नहीं होता तो लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाला कोई भी युगल न्यायालय के दरवाजे खटखटाता हुआ नहीं दिखाई देता। अगस्त 2023 में 'अदनान बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य' मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी थी कि अधिकांश लिव–इन जोड़ों के बीच ब्रेकअप हो जाता है और उसके बाद महिला के लिए समाज का सामना करना मुश्किल हो जाता है। एक तरह के सामाजिक बहिष्कार से लेकर अभद्र सार्वजनिक टिप्पणियां लिव–इन रिलेशनशिप के बाद उसके कष्टों का हिस्सा बन जाती हैं। जिस पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण कर युवा पीढ़ी लिव इन रिलेशनशिप अपना रही है, उसे यह जानना होगा कि आज भी पुरुषों और स्त्रियों के लिए स्पष्ट रूप से अलग नैतिक नियम हैं और इसका उदाहरण ब्रिएना पेरेली–हैरिस का शोध है, जो यूरोप के 11 देशों पर आधारित है। इसमें पाया गया कि लिव–इन में रहने वाली महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक नकारात्मक दृष्टि, चरित्रगत संदेह और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ता है। शोध यह भी बताता है कि जहां पारंपरिक पारिवारिक और नैतिक मूल्य अधिक मजबूत हैं, वहां लिव–इन के बाद महिलाओं के लिए नए संबंधों में स्थापित होना, सामाजिक स्वीकृति पाना और सम्मानजनक जीवन में पुनः प्रवेश करना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। इसी असमान और कठोर सामाजिक व्यवहार को शोधकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से 'जेंडर्ड स्टिग्मा' कहा है। उक्त शोध यह स्थापित करता है कि लिव–इन संबंध महिलाओं के लिए केवल व्यक्तिगत विकल्प नहीं रह जाता, बल्कि एक ऐसा सामाजिक जोखिम बन जाता है, जिसके दीर्घकालिक मानसिक, सामाजिक और भविष्यगत दुष्परिणाम होते हैं। तमाम अध्ययन इस तथ्य को स्थापित कर रहे हैं कि 'लिव इन रिलेशनशिप' कभी भी वैवाहिक संस्था का विकल्प नहीं हो सकता। मनोविज्ञानी स्काट एम स्टैनली अपने 'स्लाइडिंग बनाम डिसाइडिंग सिद्धांत' में स्पष्ट करते हैं कि लिव–इन संबंधों में युवा अक्सर सोच–समझकर निर्णय नहीं लेते, बल्कि परिस्थितियों के साथ धीरे–धीरे फिसलते हुए बड़े जीवन–निर्णयों में प्रवेश कर जाते हैं। इन रिश्तों में स्पष्ट और सचेत प्रतिबद्धता नहीं होती। यही असंतुलन आगे चलकर भावनात्मक असुरक्षा, मानसिक तनाव और संबंधों की अस्थिरता का कारण बनता है। स्टैनली का शोध कहता है कि लिव–इन संबंध टूटने पर अवसाद, आत्मसम्मान में गिरावट और भविष्य के रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं।

17 दिनों तक किशोरी से अलग-अलग जगह दरिंदगी

फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले का मुकदमा चलेगा। पहले ही गिरफ्तार आरोपी का भाई आदित्य जेल भिजवाया जा चुका है। होटल और स्पा सेंटर में 17 दिन तक किशोरी बंधक रही। अब तक सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ क्षेत्र की किशोरी को होटल और स्पा सेंटर में बंधक बनाकर दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक और नामजद आरोपी आलोक पंडित को कुशीनगर से गिरफ्तार कर लिया है। वह होटल मैनेजर आदित्य का भाई है। आदित्य समेत छह को पुलिस पहले ही पकड़ चुकी है। कुशीनगर जिले के होलिया परतावल निवासी आलोक पंडित को पीड़िता के न्यायालय में दर्ज कराए गए बयान के आधार पर उसके घर से पकड़ा गया है। पुलिस मामले में अब तक सात आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा चुकी है। वहीं प्रकाश में आए तीन अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

जल्द ही आरोपपत्र दाखिल कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाने की तैयारी है। एक जनवरी को गोरखनाथ क्षेत्र की रहने वाली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन शुरुआती दिनों में किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस की जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि किशोरी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिये बने संपर्क के बाद शहर से बाहर निकली थी।

17 दिनों तक किशोरी से अलग–अलग जगह दुष्कर्म

पुलिस के अनुसार, किशोरी को पहले गोरखनाथ क्षेत्र के करीमनगर ले जाया गया। इसके बाद उसे बेतियाहाता क्षेत्र के एक होटल में रखा गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। कुछ दिनों बाद किशोरी को बड़हलगंज कस्बे के एक स्पा सेंटर में भेज दिया गया। आरोप है कि करीब 17 दिनों तक किशोरी को अलग–अलग जगहों पर छिपाकर रखा गया और दुष्कर्म किया गया। आखिरकार 22 जनवरी को पुलिस ने किशोरी को नौसड़ क्षेत्र स्थित भूमि पैलेस होटल से खोज लिया। इसके बाद किशोरी को संरक्षण में लिया गया और उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया।

न्यायालय में उसका बयान दर्ज कराया गया, जिसमें उसने पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश किया। पीड़िता ने बयान में होटल मालिक, होटल मैनेजर, स्पा सेंटर संचालक, सोशल मीडिया के जरिये संपर्क में आए किशोर और अन्य सहयोगियों के नाम उजागर किए। इसी आधार पर पुलिस ने कार्रवाई तेज की। पुलिस अब तक भूमि पैलेस होटल के मालिक अभय उर्फ धीरेंद्र सिंह, होटल मैनेजर आदर्श पांडेय और आदित्य, स्पा सेंटर मैनेजर अंकित कुमार, सोशल मीडिया के जरिये संपर्क में आए किशोर और अब आलोक पंडित समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है।

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे

विवेचक किशोरी की आवाजाही से जुड़े सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहे हैं। साथ ही आरोपियों के मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप चैट का भी विश्लेषण किया जा रहा है। पीड़िता के बयान के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म, आपराधिक साजिश और पॉक्सो एक्ट की धारा प्राथमिकी में पहले ही शामिल की जा चुकी है।

यह बोले अधिकारी

मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्रकाश में आए तीन अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। – रवि सिंह, सीओ कैंट

गीडा इलाके में होटल और रेस्टोरेंट की जांच शुरू

एक होटल में किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद गीडा प्रशासन ने इलाके में संचालित व्यावसायिक भवनों की व्यापक जांच शुरू कर दी है। गीडा की सीईओ अनुज मलिक ने निर्देश जारी किए हैं कि क्षेत्र में होटल, जिम, रेस्टोरेंट आदि प्रतिष्ठानों की गहन पड़ताल की जाए।

टीम भवनों के स्वीकृत नक्शों की जांच करेगी और यह भी सुनिश्चित करेगी कि उपयोग स्वीकृत प्रयोजन के अनुरूप ही किया जा रहा है या नहीं। यह भी देखा जाएगा कि किसी भवन में अवैध गतिविधियां तो संचालित नहीं हो रही हैं। गीडा प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) राम प्रकाश ने बताया कि जांच के दौरान यदि किसी भवन का नक्शा स्वीकृत नहीं पाया गया या वहां अनधिकृत गतिविधियां संचालित होती मिलीं तो संबंधित संबंधित भवन स्वामी और संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

होटल व्यवसायी बोले–सभी एक जैसे नहीं

हर होटल का सेटअप अलग–अलग होता है। सभी होटलों में यह समस्या नहीं है। यह छोटे टाइप के होटल हैं, जिनका नाम बहुत लोग नहीं जानते। जो घरों और छोटे जगहों पर होते हैं। बड़े होटल सरकार की सभी गाइडलाइंस का पालन करते हैं। यहां किसी प्रकार की समस्या नहीं होती है। – ध्रुव श्रीवास्तव, होटल प्रगति इन हम लोकल आईडी पर लोगों को रूम नहीं देते, न ही अवविवाहित लोगों को कमरे देते हैं। सरकार के नियमों का पालन करते हैं। हम लोगों के लिए होटल की साख से बढ़कर कुछ नहीं है। यह हरकत छोटी सोच व गलियों में बने कुछ होटलों में ही हो सकती है। – विशाल श्रीवास्तव, न्यू स्टैंडर्ड होट

ऐसे शुरू हुई इस वारदात की कहानी

इंस्टाग्राम दोस्त के साथ जाने से पहले किशोरी गली के बाहर बना रही थी रील गोरखनाथ क्षेत्र से लापता किशोरी से होटल में बंधक बनाकर दुष्कर्म के मामले में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इंस्टाग्राम के जरिये दोस्ती करने वाला किशोर जब किशोरी को अपने साथ ले गया, तब वह मोबाइल से घर की गली के बाहर रील बना रही थी। एक वैन से दोस्त अपने साथी के साथ वहां पहुंचा था। इसके बाद पूरे दिन शहर और आसपास के इलाकों में घुमाने के बाद उसे होटल लेकर पहुंचा, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस के मुताबिक, एक जनवरी को किशोरी घर से निकली थी। गली के बाहर वह रील बना रही थी। इसी दौरान इंस्टाग्राम के जरिये संपर्क में आया किशोर वैन से एक साथी के साथ पहुंचा। बातचीत के बाद किशोरी उसके साथ जाने के लिए तैयार हो गई। इसके बाद तीनों ने शहर में अलग–अलग जगहों पर समय बिताया। दिनभर घूमने के बाद शाम को किशोर, किशोरी को लेकर बेतियाहाता के एक होटल में पहुंचा, जहां उसे ठहराया। इधर, किशोरी जब इंस्टाग्राम दोस्त के साथ निकली तो वहां खेल रहे मासूम बच्चों ने उसे देख लिया था। पुलिस और परिजन जब वहां पहुंचे तो बच्चों घटना से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई थी।

प्रशासन से मांगी स्पा सेंटर और होटलों की सूची

जिले में पुलिस ने स्पा सेंटर और होटलों पर कार्रवाई तेज कर दी है। शहर और ग्रामीण इलाकों में संचालित होटलों और स्पा सेंटरों की जांच की जा रही है। पुलिस ने पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन से जिले में पंजीकृत और अपंजीकृत प्रतिष्ठानों की सूची मांगी है, ताकि संदिग्ध स्थानों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जा सके। बृहस्पतिवार को पुलिस टीम ने खोराबार, एम्स, गगहा, चौरीचौरा, गीड़ा, शाहपुर, गुलरिहा और बड़हलगंज समेत अन्य थाना क्षेत्रों में 50 से अधिक होटलों का निरीक्षण किया। इसके अलावा 10 से अधिक स्पा सेंटरों को बंद कराया गया। कार्रवाई के दौरान कई स्पा संचालक ताला बंद कर मौके से भाग गए।

अधिकारियों का कहना है कि आगामी दिनों में सूची के आधार पर और संदिग्ध प्रतिष्ठानों की जांच जारी रहेगी।

गोरखपुर सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे

12 गांवों की जमीनों की खरीद–बिक्री पर रोक, 69.57 हेक्टेयर जमीन का होगा 3डी सर्वे

गोरखपुर,संवाददाता। विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी हिमांशु वर्मा ने तहसील सदर के उप निबंधक प्रथम एवं द्वितीय को पत्र जारी करके संबंधित गाटा की रजिस्ट्री पर रोक लगाने की सूचना दी है। पत्र में कहा गया है कि एक्सप्रेसवे के भूमि अर्जन की प्रक्रिया पूरी होने तक जमीन क्रय–विक्रय नहीं होगा। इसमें निजी कृषि भूमि, सरकारी चकमार्ग, नाली, रास्ता, नवीन परती के साथ ही नदी के कुछ हिस्से भी शामिल हैं।

गोरखपुर–सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे के निर्माण को लेकर अब जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। करीब 519 किमी लंबाई में बनने वाला यह एक्सप्रेसवे यूपी, बिहार और बंगाल को जोड़ेगा। आठ किमी हिस्सा गोरखपुर में पड़ेगा।

इसके लिए 12 गांवों में 69.57 हेक्टेयर भूमि की खरीद–बिक्री पर प्रशासन ने रोक लगा दी है।

गोरखपुर–सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे यूपी में कुशीनगर के हाटा, कसया, तमकुहीराज तहसील होते हुए जाएगी। सर्वे कराकर एलाइनमेंट का काम पूरा हो चुका है। इसी क्रम में गोरखपुर में आठ किमी लंबाई में कुल 12 गांवों की जमीनें आ रही हैं। जगदीशपुर जंगल कौड़िया बाईपास के करमहा से गोरखपुर से सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे शुरू होगी।

इसे देखते हुए जमीनों की रजिस्ट्री न होने पाए, इसके लिए निबंधन कार्यालय में भी 577 गाटा नंबर की जमीनों की सूची उपलब्ध कराई गई है। जमीन अधिग्रहण होने के बाद ही रजिस्ट्री की अनुमति दी जाएगी।

विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी हिमांशु वर्मा ने तहसील सदर के उप निबंधक प्रथम एवं द्वितीय को पत्र जारी करके संबंधित गाटा की रजिस्ट्री पर रोक लगाने की सूचना दी है। पत्र में कहा गया है कि एक्सप्रेसवे के भूमि अर्जन की प्रक्रिया पूरी होने तक जमीन क्रय–विक्रय नहीं होगा।

इसमें निजी कृषि भूमि, सरकारी चकमार्ग, नाली, रास्ता, नवीन परती के साथ ही नदी के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। प्रशासन थ्री डी सर्वे कराकर पहले जमीनों का अधिग्रहण करेगा, उसके बाद एक्सप्रेसवे का निर्माण शुरू होगा। इस संबंध में एआईजी स्टांप संजय दुबे ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के लिए राजस्व गांवों के गाटा नंबर सहित रकबा की सूची मिली है। इसकी रजिस्ट्री पर रोक लगाई गई है।

गोरखपुर–सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे के एलाइनमेंट के तहत आए 12 राजस्व गांवों में संबंधित गाटा संख्या की जमीनों की रजिस्ट्री पर रोक लगा दी गई है। वर्तमान में जमीन का क्रय–विकय नहीं होगा। भूमि अर्जन में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसका मुआवजा दिया जाएगाः हिमांशु वर्मा, एसएलओ, गोरखपुर

इन गांवों की जमीनें अधिग्रहित होंगी

गांव	भूमि (हे. में)
करमहा तप्पा पतरा	5.4402
महराजी तप्पा पतरा	7.9063
सोनवे गोनाराहा	4.6814
अगया तप्पा पतरा	8.4705
मटिहनिया सुमाली	4.3276
उस्का	2.2417
नैयापार खुर्द	5.4738
भरपुरवा	7.1609
महुअवां खुर्द	4.01510
राउतपार तप्पा केवटली	10.55711
हेमछापर	5.01312लुहसी 4.284।

युवती की सिर कुचलकर निर्मम हत्या

झाड़ियों में मिला अर्धनग्न शव, अब तक नहीं हुई पहचान

गोरखपुर,संवाददाता। बैरघटा गांव के पास पुलिया के नीचे शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए पुलिस को आशंका है कि हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई और शव को रात के समय यहां लाकर फेंका गया। गोरखपुर में युवती की सिर कुचलकर निर्मम हत्या करने के बाद शव को पीपीगंज–जसवल मार्ग पर गोबरहिया नाले की पुलिया के नीचे झाड़ियों में फेंक दिया गया। शुक्रवार सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में अर्धनग्न शव देखा, जिसके बाद पीपीगंज पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम के साथ एसएसपी राजकरन नय्यर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में युवती के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस का मानना है कि किसी भारी वस्तु से सिर कुचलकर हत्या की गई है।शुक्रवार सुबह करीब छह बजे बैरघटा गांव के पास पुलिया के नीचे शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए पुलिस को आशंका है कि हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई और शव को रात के समय यहां लाकर फेंका गया।

पुलिस के अनुसार, मृतका की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच आंकी जा रही है, लेकिन अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। आसपास के सभी थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों को खंगाला जा रहा है। इसके साथ ही मार्ग और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। सर्विलांस की मदद से रात के समय इस मार्ग से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों और लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। एसएसपी राजकरन नय्यर ने बताया कि मामले की जांच हर संभावित एंगल से की जा रही है।

घंटाघर में दिनदहाड़े 9.50 लाख की टप्पेबाजी

गोरखपुर,संवाददाता। पुलिस की धौंस दिखाकर कर्मचारी से रुपयों से भरा बैग छीन लिया गया, इसके बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वारदात से व्यापारियों में आक्रोश है।शहर के सबसे व्यस्त इलाके घंटाघर में शुक्रवार सुबह दिनदहाड़े 9.50 लाख रुपये की टप्पेबाजी से हड़कंप मच गया। घंटाघर स्थित आरसी आर्नामेंट के मालिक बलिराम जायसवाल के कर्मचारी से एक अज्ञात जालसाज ने पुलिसिया धौंस दिखाकर नकदी से भरा बैग ले लिया और मौके से फरार हो गया। पीपीगंज निवासी सराफा व्यापारी बलिराम जायसवाल की घंटाघर में आभूषणों की दुकान है। शुक्रवार सुबह करीब 11:15 बजे उनका कर्मचारी संजय पाल 9.50 लाख रुपये नकद लेकर गीता प्रेस रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक में जमा करने जा रहा था। जैसे ही वह मुंबई क्लॉथ हाउस (कालीबाड़ी मंदिर के पास) पहुंचा, तभी पुलिस की वर्दी जैसी पैंट और जैकेट पहने एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे रोक लिया।

ऑफिस में चाकू पहले ही लाकर रखा कैमरों की वायरिंग भी काटी

आगरा,संवाददाता। ट्रांस यमुना की रहने वाली एचआर मैनेजर युवती की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी ने पहले ही ऑफिस में चाकू लाकर रखा और सीसीटीवी कैमरों की वायरिंग भी काट दी थी। युवती का सिर नहीं मिला है। आरोपी को जेल भेज दिया है। आगरा के संजय पैलेस स्थित कंपनी की एचआर मैनेजर मिंकी की हत्या का प्लान आरोपी विनय राजपूत ने घटना से पांच दिन पहले ही बना लिया था। उसने ऑफिस में चाकू लाकर रखा और सीसीटीवी कैमरों की वायरिंग भी काट दी थी। मिंकी के ऊपर चाकू से आठ से अधिक वार किए थे। पुलिस ने धड़ बरामद कर लिया था लेकिन सिर नहीं मिल सका है। पार्वती विहार कॉलोनी, टेढ़ी बगिया निवासी मिंकी संजय प्लेस स्थित एक प्राइवेट कंपनी के

ऑफिस में एचआर मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। कंपनी में ही काम करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर विनय राजपूत से उसकी दोस्ती हो गई थी।

फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली की चार साल पहले हुई थी शादी, ढाई महीने पहले आई थीं गांव

वाराणसी,संवाददाता। महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया। इस हादसे में जौनपुर जिले की पिंकी माली की भी जान चली गई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया है। विमान में सवार अन्य चार लोग भी इस हादसे में नहीं बच पाए। यह दुर्घटना तब हुई जब एनसीपी नेता अजित पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती में रनवे के पास क्रैश लैंड हो गया।

हादसे में जान गंवाने वालों में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की पिंकी माली भी शामिल हैं। घटना की जानकारी होते ही उनके गांव में लोग हैरान रह गए। लोगों का कहना है कि पिंकी काफी मिलनसार थीं।

फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली जिले के केराकत तहसील के भैंसा गांव की रहने वाली थी। शीतला प्रसाद माली के मुताबिक, उनके चाचा शिव कुमार माली हैं, जो चार भाई हैं। शिव कुमार के पिता बाबू राम का पिछले साल निधन हुआ था। पिंकी की शादी भी हो चुकी है। परिवार के सभी लोग मुंबई में रहते हैं।

बीमारी में जकड़ा बचपन, न तन पर नियंत्रण रहा

गाजीपुर के 13 गांवों में डेढ़ से 25 वर्ष के बच्चों और युवाओं में अज्ञात बीमारी से दिव्यांगता फैल रही है। कई जन्म से तो कुछ बाद में प्रभावित हुए, जिससे ...

गाजीपुर के 13 गांवों में बच्चों में अज्ञात दिव्यांगता राज्यपाल के हस्तक्षेप से स्वास्थ्य विभाग हुआ सक्रिय ४९ दिव्यांगजनों की पहचान, परिवारों पर आर्थिक बोझ

गाजीपुर,संवाददाता। यह कोई एक घर, एक गांव या एक परिवार की कहानी नहीं है। गाजीपुर के तीन ब्लाकों की सीमा पर बसे 13 गांवों में ऐसा लगता है, मानो बचपन पर किसी अनदेखी बीमारी का साया मंडरा रहा हो। डेढ़ वर्ष के मासूम से लेकर 25 वर्ष तक के युवा ऐसे हैं, जिनके शरीर और मन दोनों पर उनका अपना नियंत्रण नहीं रहा। कोई जन्म से दिव्यांग है, तो कुछ लोग एक या दो वर्ष की उम्र में बीमारी की गिरफ्त में आए। यह त्रासदी अब स्वास्थ्य का मामला नहीं रह गई है। यह सामाजिक, प्रशासनिक और मानवीय संवेदनाओं की भी परीक्षा है। बीमारी के कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सके हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों की पीड़ा हर दिन बढ़ती जा रही है। अधिकांश मामले बिंद और चौहान बिरादरी के परिवारों से जुड़े हैं। पीड़ा जब असहनीय हुई तो आवाज राजभवन तक पहुंची। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तक शिकायत पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हुआ। अब तक 49 दिव्यांगजनों का पता चला है। जांच में सामने आया कि ज्यादातर दिव्यांगता जन्मजात है, जबकि कुछ मामलों में जन्म के कुछ दिनों या महीनों बाद बीमारी उभरी। इनमें शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह की दिव्यांगता शामिल है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी मामलों की विस्तृत केस हिस्ट्री तैयार की है, ताकि विशेषज्ञ चिकित्सकों से सलाह लेकर बीमारी के कारण और रोकथाम के उपाय तलाशे जा सकें।

अलग-अलग उम्र, अलग-अलग पीड़ा

सदर, देवकली और मनिहारी ब्लाक से सटे फतेहउल्लाहपुर, हरिहरपुर, छोटी जंगीपुर, शिकारपुर, बूढ़नपुर, भौरहां, धारीकला, गोला, राठौली, हरखुपुर, भीखेपु, हाला और अगस्ता गांवों में बीते कुछ वर्षों से दिव्यांगता के मामले सामने आ रहे हैं। धारीकला गांव की आठ वर्षीय शिवांगी जन्म से दिव्यांग है, जबकि 18 वर्षीय रोशनी कुछ महीने स्वस्थ रहने के बाद बीमारी की चपेट में आई। शिकारपुर के 18 वर्षीय आनंद बिंद, 12 वर्षीय नंदनी बिंद और छोटी जंगीपुर के नौ वर्षीय भोला जन्म से ही दिव्यांग हैं। कई बच्चे ऐसे हैं, जिनमें जन्म के बाद मानसिक या शारीरिक विकार विकसित हुए।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से छोड़ा माघ मेला

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने माघ मेला छोड़ने का एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी ऐसी कल्पना भी नहीं की थी। यहां उनके पहचान पर प्रश्न चिह्न खड़ा करने का प्रयास किया गया।

प्रयागराज,संवाददाता। प्रयागराज में चल रहे माघ मेला से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से विदा लेने का ऐलान किया है।

बुधवार सुबह आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वह आस्था और श्रद्धा के साथ माघ मेला में आए थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गईं कि बिना स्नान किए ही लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हमेशा से शांति, विश्वास और सनातन परंपराओं की भूमि रही है और यहां से इस तरह लौटना उनके लिए बेहद पीड़ादायक है।शंकराचार्य ने बताया कि एक ऐसी घटना घटी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी, जिससे उनका मन व्यथित हो गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि माघ मेला में स्नान करना उनके लिए केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि आस्था का विषय था। बावजूद इसके, मौजूदा हालात में उन्होंने मेला छोड़ने का कठिन निर्णय लिया। उनके इस फैसले के बाद संत समाज और श्रद्धालुओं में चर्चा तेज हो गई है।

शंकराचार्य बोले– यहां की घटना ने उनकी आत्मा को झकझोर दिया

शंकराचार्य ने कहा कि हमने अन्याय को अस्वीकार किया है और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे। आज शब्द साथ नहीं दे रहे स्वर बोझिल है।

प्रयागराज की धरती पर जो कुछ घटित हुआ उसने हमारी आत्मा को झकझोर दिया है। संगम में स्नान किए बिना विदा ले रहे हैं।

आज हम यहां से जा रहे हैं, लेकिन अपने पीछे सत्य की गूंज छोड़कर जा रहे हैं।

सब कुछ कहा जा चुका है। कल शाम और प्रातः काल प्रशासन की ओर से हमारे मुख्य कार्यधिकारी को एक प्रस्ताव प्रशासन की ओर से भेजा गया था। जिसमें कहा गया कि आप जब जाना चाहेंगे हम आपको ससम्मान स्नान कराने के लिए तैयार हैं।

सभी अधिकारी मौजूद रहकर पुष्पवर्षा करेंगे, लेकिन इसमें उस दिन की घटना के लिए क्षमा याचना नहीं की गई थी। हमें लगा यदि हम स्नान कर लेंगे और पुष्प वर्षा करवा लेंगे तो उस दिन की बात अधूरी रह जाएगी।

शंकराचार्य ने कहा– हमने प्रशासन के आग्रह को ठुकरा दिया

ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि जो असली मुद्दा है, जिसके लिए दस दिन तक हम फुटपाथ पर बैठे रहे। इतना लंबा समय दिया, लेकिन दस ग्यारह दिन बीत जाने के बाद जब जाने का निर्णय लिया तब प्रशासन की ओर से ऐसा प्रस्ताव सामने आया। इसलिए हमने स्वीकार नहीं किया, अगर प्रशासन का आग्रह स्वीकार करके स्नान कर लेता तो अपने भक्तों के साथ न्याय नहीं कर पाता।

शंकराचार्य ने कहा जो मुगलों के समय में हुआ वही आज हो रहा है। एक तरफ गृहमंत्री का बयान आया है कि संतों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं माघ मेले में संतों को उनकी चोटी और शिखा पकड़कर घसीटा गया और पीटा गया।

आज यहां जो अपमान हुआ ये सरकार का दोहरा चरित्र उजागर करता है। शंकराचार्य ने दो मिनट का मौन रखकर संतों का अपमान करने वालों को दंड मिले ऐसी भगवान से प्रार्थना की। संगम तट पर हमारी भौतिक हत्या का प्रयास किया गया। इन दिनों हमारी पीठ की हत्या का प्रयास हुआ वो सफल रहा। ये हत्या अगर यहां का प्रशासन कर रहा होता तो ठीक है, लेकिन इसके पीछे यूपी की सरकार का हाथ है।

सनातन के विरोधी को सत्ता में रहने का आधिकार नहीं

पत्रकारों को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी। प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने न केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संगम की इन लहरों में स्नान करना केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि अंतरात्मा की संतृप्ति का मार्ग है, लेकिन आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए, इस संकल्प को अधूरा छोड़कर यहां से विदा ले रहे हैं। जब हृदय में क्षोभ और ग्लानि का ज्वार हो, तो जल की शीतलता भी अर्थहीन हो जाती है।

कहा कि न्याय की प्रतीक्षा कभी समाप्त नहीं होती। आज हम यहां से जा रहे हैं और अपने पीछे केवल सत्य की गूंज और उन अनुत्तरित प्रश्नों को छोड़कर जा रहे हैं जो प्रयागराज की इस हवा में हमेशा विद्यमान रहेंगे। अब बस कुछ क्षण की शांति और एकांत की आवश्यकता है, ताकि इस पीड़ा को आत्मसात किया जा सके। जिन लोगों ने हमारी पीड़ा को अनुभव किया और साथ आए उन सबको साधुवाद।

गृहकर दाखिल खारिज शुल्क पांच गुना तक कम होने का फायदा अप्रैल से मिलेगा, नगर निगम ने दी मंजूरी

लखनऊ,संवाददाता। इस मामले में नई दरों को लागू करने के लिए चार दिसंबर को सार्वजनिक सूचना जारी कर आपत्ति सुझाव मांगे गए थे। इसके लिए 15 दिन का मौका दिया गया था। पूरी अवधि में एक ही आपत्ति आई थी, जिसका निस्तारण समिति ने कर दिया। ऐसे में अब दरों के प्रकाशन की मंजूरी नगर निगम सदन ने दे दी। गृहकर दाखिल खारिज शुल्क पांच गुना तक कम होने का फायदा भवनस्वामियों को एक अप्रैल से मिलने लगेगा। आपत्ति सुझाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दाखिल खारिज की नई नियमावली के प्रकाशन की मंजूरी मंगलवार को नगर निगम सदन ने दे दी। ऐसे में प्रकाशन की कार्यवाही पूरे दो महीने में पूरी हो जाएगी। करीब पांच महीने पहले नगर निगम सदन और कार्यकारिणी ने गृहकर दाखिल खारिज शुल्क में कमी की थी।

नई दरों को लागू करने के लिए चार दिसंबर को सार्वजनिक सूचना जारी कर आपत्ति सुझाव मांगे गए थे। इसके लिए 15 दिन का मौका दिया गया था। पूरी अवधि में एक ही आपत्ति आई थी, जिसका निस्तारण समिति ने कर दिया। ऐसे में अब दरों के प्रकाशन की मंजूरी मंगलवार को नगर निगम सदन ने दे दी।

बैनामा और वसीयत दोनों के आधार पर मिलेगा फायदा

नगर निगम अभी पारिवारिक संपत्ति के नामांतरण पर तय 5000 रुपये फीस लेता है। यह फीस ईडब्ल्यूएस मकान से लेकर बड़े मकान वालों तक के लिए समान है। इस पर लोग आपत्ति कर रहे थे। उसके बाद शासन ने इसे कम किया, जिसके बाद नगर निगम सदन ने भी शुल्क कम कर दिया। इसी तरह बैनामे के आधार पर खरीदी जाने वाले संपत्तियों का भी दाखिल खारिज शुल्क और कम किया गया है। पहले यह एक प्रतिशत था। शासन की नई नियमावली जारी होने के बाद इसे और कम किया गया।

हाउस टैक्स वसूलने वाले आएं तो देखें पहचान पत्र

नगर निगम सदन में यह मामला उठा कि कुछ बाहरी लोगों को टैक्स इंस्पेक्टर पद पर रखा गया है, जो भवनस्वामियों के पास जाकर उगाही और अभद्रता करते हैं। अफसरों ने बताया कि वसूली बढ़ाने को लेकर नगर निगम ने हर वार्ड में सिर्फ एक ही कर्मचारी जेम पोर्टल के जरिये रखा है।

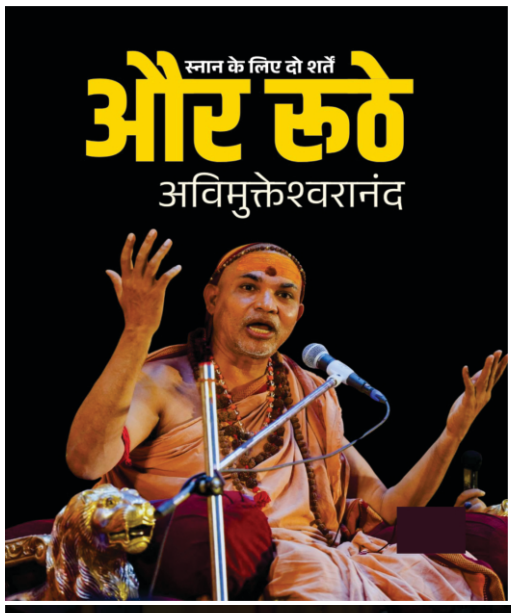

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

10–11 मार्च को लखनऊ में सभी संत-महंत और आचार्य एकत्र हों. वहां यह तय किया जाएगा कि कौन हिंदू है, कौन हिंदू हृदय सम्राट है और किसे छद्म हिंदू या नकली हिंदू घोषित किया जाना चाहिए.

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

हम आपको 40 दिन का समय दे रहे हैं. इन दिनों में आप गो-भक्त होने का प्रमाण दीजिए. अगर प्रमाण नहीं दे पाते, तो समझा जाएगा कि आप नकली हिंदू, कालनेमि, पाखंडी और ढोंगी हैं. सिर्फ दिखावे के लिए आपने गेरुआ वस्त्र धारण किया है.

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा गया. इतिहास में पहली बार किसी शासक ने किसी शंकराचार्य से यह पूछने की हिम्मत की. ढाई हजार साल के इतिहास में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन किसी ने यह साहस नहीं किया.

जेल से भागे दो बंदी

अयोध्या में पहले भी जेल प्रशासन की आंख में धूल झोंक चुके हैं अपराधी, निगरानी की खुली पोल

अयोध्या,संवाददाता। अयोध्या जेल से दो बंदी भाग गए। इससे पहले भी यहां अपराधी जेल प्रशासन की आंख में धूल झोंक चुके हैं। 18 जून 2024 को जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक के पास मोबाइल फोन व सिमकार्ड मिले थे। निगरानी प्रणाली सख्त करने का जो दावा किया गया था, उसकी पोल खुल गई है। यूपी के अयोध्या में पहले भी शातिर अपराधी जेल प्रशासन की आंख में धूल झोंक चुके हैं। डेढ़ साल पहले भी जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक के पास तीन मोबाइल फोन और सिमकार्ड बरामद हुए थे। इसके बाद से निगरानी प्रणाली और सख्त करने का दावा किया गया था। इसकी बुधवार रात पोल खुल गई। जेल के भीतर से ही अपराधियों के सिंडिकेट चलने, वहीं से तमाम आपराधिक गतिविधियों को संचालित करने, जेल प्रशासन को चकमा देकर भागने जैसे मामले शुरू से ही चलन में रहे हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने चुस्त व्यवस्था की। परिसर को सीसीटीवी से लैस किया गया। तमाम तरह से फेरबदल करके सुरक्षा व्यवस्था अभेद बनाने के दावे किए गए, लेकिन समय–समय पर अपराधी जेल के सुरक्षा घेरे की हकीकत उजागर कर देते हैं।

गड्ढा खोदकर मोबाइल और सिमकार्ड रखे गए थे

18 जून, 2024 को भी जेल की सुरक्षा व्यवस्था के दावों की पोल खुली थी। हाई सिक्योरिटी बैरक के बाहर लगे बिजली के खंभे के सपोर्ट तार के पास डेढ़ फुट गड्ढा खोदकर उसमें तीन मोबाइल फोन और सिमकार्ड रखे गए थे। यह मोबाइल फोन इसी हाई सिक्योरिटी बैरक में निरुद्ध सुल्तानपुर के कूरेभार थाना क्षेत्र के लोहरी, धनपतगंज निवासी अंकित अग्रहरि, अयोध्या के इनायतनगर थाना क्षेत्र के बारुन बाजार के देवरिया गांव निवासी सचिन जायसवाल और शहर के साहबगंज खुर्दाबाद निवासी श्याम यादव व गौतम बुद्ध नगर के सूरजपुर थाना क्षेत्र के साकीपुर निवासी अनूप भाटी के बताए गए थे।

माघ मेला में ४ वर्षीय सार्थक द्विवेदी उर्फ 'नागा साधु' से जरूर मिलिए

धर्म–अध्यात्म में गहरी रुचि करती है अचंभित

सेक्टर 6 ओल्ड जीटी रोड पर दंडी संन्यासी नगर स्थित आश्रम में सार्थक के माता–पिता कर रहे कल्पवास
भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर ब्रह्माश्रम महाराज अपने आसन पर बैठाते हैं

संवाददाता, प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज के संगम की रेती पर इन दिनों विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक मेला यानी माघ मेला आयोजित हो रहा है। हालांकि माघ मेला अब पूर्णता की ओर बढ़ रहा है लेकिन इस माघ मेले में देश के कोने–कोने से आए कई साधु–संत जहां अपनी खास वेषभूषा और कठिन साधना से लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन्हीं में चार वर्ष का एक ऐसा बालक भी है जो माघ मेले में अपने परिवार के साथ आया हुआ है। यहां पर आकर उसका मन पूरी तरह से धर्म और आध्यात्म में रम गया है। नन्हें सार्थक के माता–पिता कानपुर से कल्पवास के लिए आए हैं।

छात्रों के दो गुटों में चले ईंट-पत्थर पुलिस- पीएसी के जवानों ने संभाला मोर्चा

वाराणसी,संवाददाता। बीएचयू में जातिगत टिप्पणी पर बवाल हुआ। इस दौरान छात्रों के दो गुटों में ईंट–पत्थर चले। इस दौरान तीन घायल हो गए। बवाल के बाद देर शाम तक हॉस्टलों में सर्च अभियान चला। बीएचयू में दोपहर बाद जातिगत टिप्पणी को लेकर छात्रों के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें तीन छात्र घायल हो गए। इसमें रूईया हॉस्टल में रहने वाले पीजी के एक छात्र का सिर फट गया, जिसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। जातिगत टिप्पणी पर मामूली कहासुनी से उपजा विवाद बढ़कर दो हॉस्टलों के बीच पहुंच गया। इसमें रूईया और बिरला हॉस्टल के छात्रों के बीच ईंट–पत्थर चलने लगे। घटना को जब विश्वविद्यालय प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम नहीं संभाल सकी, तो सूचना पाकर पहुंची पुलिस और पीएसी के जवानों ने मोर्चा संभाला।

देर शाम तक हॉस्टल में सर्च अभियान चलाया गया। बिरला सी हॉस्टल के करीब 10 कमरों में छात्र नहीं मिले, तो उन्हें सील कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इन कमरों में बाहरी युवक रहते थे। विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार की दोपहर यूजीसी के नए नियम को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी था।

बीएचयू के विश्वनाथ मंदिर के बाहर छात्रों के एक गुट ने समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया, वहीं नए कानून के विरोध में भी छात्रों ने विरोध मार्च निकाला और इसे छात्र विरोधी बताया। इस बीच, रूईया हॉस्टल के संस्कृत ब्लॉक के पास से गुजर रहे एक छात्र की कुछ छात्रों से जाति को लेकर बहस हो गई।

इसके बाद रूईया हॉस्टल के संस्कृत ब्लॉक में रहने वाले छात्र पियूष तिवारी को कुछ छात्रों ने पीट दिया। इस पर विवाद बढ़ गया और बड़ी संख्या में छात्रों ने मुंह बांधकर रूईया हॉस्टल जाने वाले रास्ते पर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति यह हो गई कि पुलिस और प्रॉक्टोरियल बोर्ड को भी हेलमेट पहनकर बचाव करना पड़ा। चीफ प्रॉक्टर प्रो. संदीप पोखरिया ने पुलिस अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कैंपस में घुसी करीब छह थानों की फोर्स ने मोर्चा संभाला। पुलिस ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड की मौजूदगी में छात्रों को हॉस्टलों में खदेड़ा।

तीन हॉस्टलों में घुसे सुरक्षाकर्मी, ड्रोन से छतों पर निगरानी

बीएचयू में हुए बवाल के बाद बीएचयू चीफ प्रॉक्टर प्रो. संदीप पोखरिया के नेतृत्व में प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों और सुरक्षाकर्मियों की टीम तीन हॉस्टलों (बिरला हॉस्टल ए, सी और रूईया हॉस्टल संस्कृत ब्लॉक) में घुसी।

इस दौरान छात्र हॉस्टल की छतों पर पहुंच गए, तो यहां हॉस्टलों की छतों पर ड्रोन से निगरानी की गई। चीफ प्रॉक्टर ने बताया कि तीनों हॉस्टलों में तलाशी अभियान चलाया गया। इसमें बिरला ए और रूईया ब्लॉक के सभी कमरों में छात्र मिले, लेकिन बिरला सी ब्लॉक के कुछ कमरे खुले मिले और वहां छात्र नहीं मिले। बिरला सी से एक बाहरी छात्र को पकड़ा गया, जिसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक दिन पहले भी हुआ था विवाद, हॉस्टलों के बाहर पुलिस–पीएसी तैनात

बुधवार को भी छात्रों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन अचानक दोपहर में फिर से छात्रों में कहासुनी हुई और मामला मारपीट से लेकर पत्थरबाजी तक पहुंच गया। उधर, एहतियातन रूईया हॉस्टल और बिरला हॉस्टल के बाहर पुलिस–पीएसी तैनात कर दी गई है।

बीएचयू के दो हॉस्टलों के छात्रों में पिछले साल जनमाष्टमी में हुए विवाद को लेकर बृहस्पतिवार को फिर विवाद हुआ। प्रॉक्टोरियल बोर्ड की सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया गया। आरोपियों को सीसी कैमरा के फुटेज के आधार पर चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल लंका पुलिस इस मामले में विधिक कार्रवाई में जुटी है।

–गौरव बंसवाल, डीसीपी काशी जोन

छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट, पत्थरबाजी की सूचना मिलने के बाद प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम पहुंची। पुलिस को भी बुलाया गया। तीन हॉस्टल में सर्च अभियान चलाया गया। इसमें बिरला सी हॉस्टल में एक बाहरी छात्र मिला। इसी हॉस्टल के कुछ कमरे खुले मिले, जिसमें छात्र नहीं मिले। वार्डन सहित अन्य जिम्मेदार लोगों के माध्यम से सभी छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से रहने की अपील की गई है। **–प्रो. संदीप पोखरिया, चीफ प्रॉक्टर, बीएचयू**

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- भाजपा की नीति 'सांप भी मर जाए लाठी भी न टूटे'; ये ओबीसी और सर्वसमाज लड़ा रहे

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने एससी–एसटी–ओबीसी हितों से जुड़े कानून की सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी की। लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने आवास पर प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, जिस कानून को एससी, एसटी और ओबीसी के हित में बताया गया। उसी कानून की पैरवी में सरकार सुप्रीम कोर्ट में क्यों गायब दिखी। अगर नीयत साफ थी, तो अदालत में मजबूती क्यों नहीं दिखी?

अगर कानून सही था तो सीनियर वकील क्यों नहीं उतारे गए? क्या जानबूझकर कमजोर पैरवी कराई गई ताकि कानून रुक जाए और सरकार दोनों तरफ से बच जाए? जब विश्वविद्यालयों में 90/95 भर्तियां जनरल की हो रही हैं, तो सामाजिक न्याय कहां हैं? क्या ये वही नीति है। 'सांप भी मर जाए, लाठी भी न टूटे' क्या भाजपा एससी, एसटी, ओबीसी और सर्वसमाज को आमने–सामने खड़ा कर राजनीतिक फायदा लेना चाहती है।

शेयर मार्केट

बाजार निराश... 1,546 अंक गिरकर बंद, दिन में 2300 तक लुढ़का था

▪ बाजार को बजट नहीं भाया। रविवार दोपहर में सेंसेक्स 2370.36 अंक गिरकर 79899.42 पर आ गया। हालांकि शाम को 1546.84 अंक तक संभला और 80722.94 पर बंद हुआ।

▪ 1.88% गिरा सेंसेक्स, निफ्टी भी 1.96% लुढ़का

▪ 2014 से अब तक नरेंद्र मोदी सरकार ने 15 बजट पेश किए। इनमें 8 बार बजट भाषण के बाद सेंसेक्स गिरा है।

परिवहन

7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर

- मुंबई-पुणे
- पुणे-हैदराबाद
- हैदराबाद-बेंगलुरु
- हैदराबाद-चेन्नई
- चेन्नई-बेंगलुरु
- दिल्ली-वाराणसी
- वाराणसी-सिलीगुड़ी

सस्ता-महंगा

17 प्रकार की कैंसर दवाएं, चमड़े के जूते, कपड़ों पर खर्च कम होगा

केंद्र सरकार ने कई वस्तुओं से कस्टम ड्यूटी या तो पूरी तरह हटा ली है या कम कर दी है। जैसे- कैंसर की 17 महंगी दवाओं से बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। 7 दुर्लभ बीमारियों में भी यही छूट दी गई है।

सस्ता

- स्मार्टफोन और टैबलेट
- चमड़ा सामान
- सोलर पैनल
- गंभीर बीमारी की 7 दवाएं
- पर्सनल यूज के विदेशी सामान
- सिंथेटिक फुटवेयर
- ईवी बैटरी के सामान।
- माइक्रोवेव ओवन
- खेल सामान
- कपड़ा
- विमान ईंधन
- परमाणु उपकरण
- तेंदु पत्ता

महंगा

- बड़े ब्रांड्स के लैपटॉप
- कॉफी रोस्टिंग, ब्रूइंग और वेंडिंग मशीनें।
- फिल्म निर्माण के कैमरे
- पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड
- खेती वाला अमोनियम फॉस्फेट उर्वरक।
- आयातित छातों पर कस्टम ड्यूटी 20% या 60 रु. प्रति पीस बढ़ी।

इनकम टैक्स

टैक्स छूट नहीं बढ़ी; रिटर्न दाखिल करने में देरी तो लगेगी लेट फीस

▪ आयकर छूट सीमा नहीं बढ़ी है। इसके अलावा, ऐसे करदाता जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से है और जिनका ऑडिट जरूरी नहीं है, ऐसी फर्मों के लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि अब 31 अगस्त कर दी गई है।

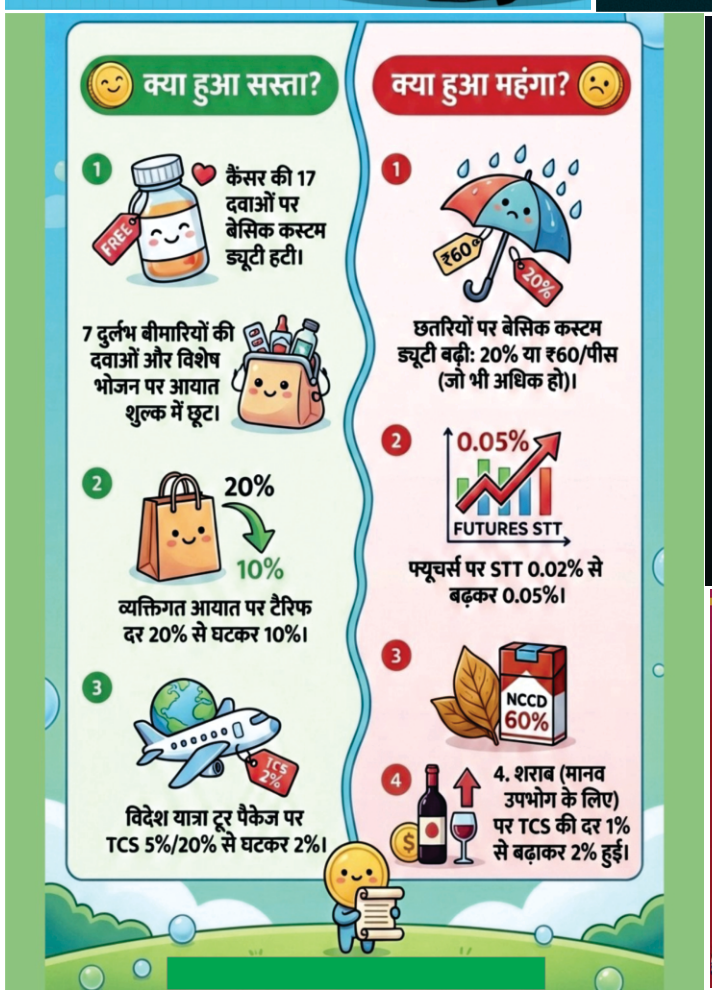

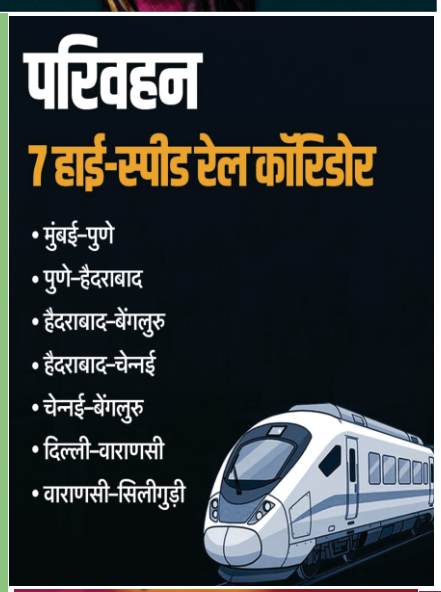

▪ रिटर्न में कोई गलती होने पर करदाता 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न दे सकता है। यदि रिवाइज्ड रिटर्न भी 31 दिसंबर के बाद दाखिल करते हैं तो लेट फीस लगेगी। कुल आय 5 लाख रु. तक है तो लेट फीस 1 हजार रु.। इससे ज्यादा आय है तो 5 हजार रुपए।

अभी ये हैं नई टैक्स रिजीम वाली स्लैब

इनकम स्लैब	टैक्स
0-4 लाख	शून्य
4-8 लाख	5%
8-12 लाख	10%
12-16 लाख	15%
16-20 लाख	20%
20-24 लाख	25%
24 लाख से ऊपर	30%

▪ **ब्याज खर्चे की छूट समाप्तः** बजट में लाभांश अ◌ौर म्यूचुअल फंड की आय में से अब ब्याज खर्चे की छूट नहीं मिलेगी। यह छूट अभी तक उपरोक्त आय की 20% तक सीमित थी।

बजट आप पर डालेगा क्या असर

देश का आम बजट आ गया है. मोदी सरकार के नौंवे बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई बड़े ऐलान किए. बजट आम आदमी पर क्या असर डालेगा, नेताओं और एक्सपर्ट की क्या है इस पर राय और बाज..

दिल्ली,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में बजट 2026–27 पेश किया. 53.5 लाख करोड़ रुपये का यह बजट देश हर वर्ग को ध्यान में रखकर पेश किया गया है. इसमें कई अहम ऐलान किए गए. बजट का आम आदमी से लेकर इंडस्ट्री तक क्या असर होगा और यह देश के विकास को कैसे प्रभावित करेगा, यह जानने को सभी आतुर हैं. नेता और एक्सपर्ट मिली–जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं. कुछ इसे शानदार और देश के लिए लाभकारी बता रहे हैं, तो वहीं विपक्ष इसे निराशाजनक और आम जनता के खिलाफ बता रहा है.

पीएम नरेंद्र मोदी ने बजट 2026 पेश होने बाद देश को संबोधित करते हुए कहा कि आज का बजट ऐतिहासिक है और यह भारत की रिफॉर्म एक्सप्रेस को नई रफ्तार देगा. उन्होंने कहा कि यह बजट नारी शक्ति के सशक्तिकरण को मजबूती से दर्शाता है. पीएम मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की सराहना करते हुए कहा कि एक महिला वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने लगातार नौवीं बार बजट पेश कर नया रिकॉर्ड बनाया है.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में सरकार ने नागरिक प्रशिक्षण और अन्य विमान निर्माण में इस्तेमाल होने वाले घटक और पाट्र्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को छूट देने का प्रस्ताव रखा है. इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में एक और बड़ी खुशखबरी दी है. विदेश यात्रा और पढ़ाई पर टैक्स में राहत दी है. विदेश यात्रा करने वालों के लिए खुशखबरी है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि विदेशी टूर पैकेज पर टैक्स (ज्ब्) को 5–20 से घटाकर 2 कर दिया गया है, और अब कोई न्यूनतम राशि की शर्त नहीं होगी. इसके साथ ही सरल इनकम टैक्स फॉर्म्स जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे.

उन्होंनेॅ मउपबवदकनबजवत डपेपवद 2.0 लॉन्च करने के बारे में भी बताया. साथ ही, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्ताव रखा है कि अब टैक्सपेयर्स अपने संशोधित इनकम टैक्स रिटर्न (प्ज्त) दसंबर 31 की बजाय 31 मार्च तक दाखिल कर सकेंगे, बस मामूली शुल्क का भुगतान करना होगा. यह उनका लगातार नौवां बजट है, जो एक बड़ा रिकॉर्ड बना है. देश की पहली महिला वित्त मंत्री के तौर पर उन्होंने इतिहास रचा है।

दिलजीत दोसांझ के पास सिनेमा में 'बॉर्डर' देखने के लिए नहीं थे पैसे

एंटरटेनमेंट डेस्क। पंजाबी सिंगर–एक्टर दिलजीत दोसांझ फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर सुर्खियों हैं। फिल्म में उनकी अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने फिल्म 'बॉर्डर' 1997 देखने का किस्सा बताया है। इसके साथ उन्होंने 'बॉर्डर 2' का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया।

दिलजीत ने साझा किया 'बॉर्डर' देखने का किस्सा

बुधवार को दिलजीत दोसांझ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा 'शोर बहुत था कि 'बॉर्डर' आई है। तब घर वाले थिएटर में जाने नहीं देते थे। मेरे पास पैसे नहीं थे कि हम थियेटर में इसे देखें। फिर मैंने इसे टीवी पर देखा। मैंने दो तीन बार देखी है फिल्म। मुझे लगता था कि यह मेरे देश की फिल्म है। मेरे मोहल्ले में एक बंदा फिल्म देख कर आया था, वह बता रहा था कि फिल्म को लोग एंजॉय कर रहे थे। कमाल का माहौल था थिएटर में। उसकी बातें सुन कर मैं बहुत उत्साहित हो गया था। मैं सोच रहा था कि जब टीवी पर आएगी तब देखूंगा। फिर मैंने टीवी पर फिल्म देखी।

एंटरटेनमेंट डेस्क। अर्चना पूरन सिंह ने 33 साल पहले परमीत सेठी संग शादी की थी. लेकिन, शादी के बाद दोनों को काफी मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा. हाल ही में अर्चना ने अपने यूट्यूब चैनल पर खुलासा किया. अर्चना पूरन सिंह ने व्लॉग में बताया कि जब उन्होंने परमीत सेठी संग शादी की थी तब सोचती थी कि वो ही सिर्फ कमाने वाली हैं. लेकिन, कहीं न कहीं उन्होंने अपनी स्त्रीत्व वाली साइड को दबा दिया था. उन्होंने कहा कि वो चाहती थी कि कोई उन्हें सपोर्ट करे, कोई ऐसा हो जिस पर वो भरोसा कर सकें और जिसकी तरफ देखकर प्रेरित हो सकें, ठीक वैसे ही जैसे उनकी मां उनके पिता को देखकर होती थीं.

अर्चना पूरन सिंह के हंसी–ठहाकों के लिए जानी जाती हैं. लेकिन उनकी इस हंसी के पीछे कई ऐसे दर्द छुपे हैं, जो उन्होंने झेला है. आज लग्जरी लाइफ जीने वाली अर्चना ने कई दिक्कतों का सामना किया है.

अर्चना ने कहा कि ये सब उनके अंदर चला करता था. उन्होंने कहा कि उनके अंदर शायद मिक्स्ड फीलिंग थी. क्योंकि, परमीत को कभी वो कहती थीं कि कमाई से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन कभी उन्हें प्रोजेक्ट रिजेक्ट करने के लिए उकसाती और कमाने के लिए कहा करती थीं.

अर्चना ने कहा कि उन्हें मुंबई में सर्वाइव करने और किचन चलाने के लिए सी–ग्रेड फिल्मों तक में काम करना पड़ा. उन्होंने बताया कि उनका एक मंत्र है कि वो कभी भी काम को ना नहीं कहती हैं. अर्चना ने बताया कि अब वो कुछ कामों के लिए ना कहने लगी हैं. उसका नतीजा ये हुआ कि उन्हें बहुत सारी बुरी फिल्मों में काम करना पड़ा. उन्होंने सी–ग्रड फिल्में कीं, क्योंकि उनका माइंडसेट था कि घर में रोटी–बटर तो पहुंचाना है.

अर्चना ने परमीत को कहा कि मुझे लगता था कि अगर तुम आगे बढ़ते तो मुझे वो काम नहीं करना पड़ता. परमीत ने इस दौरान अपना नजरिया शेयर करते हुए कहा कि वो अर्चना से 7 साल छोटे हैं, ऐसे में उन्हें करियर बनाने में समय लगा. परमीत ने कहा,'मेरा पाइंट ऑफ व्यू उस समय था कि तुम्हारा करियर तो पहले से चल चुका था, लेकिन मेरा करियर बन रहा था और मुझे लगता था कि अगर मैंने एक गलत कदम उठाया तो इंडस्ट्री से पूरी तरह से बाहर हो जाऊंगा. मैं सबसे लंबे समय तक हीरो बनने की कोशिश कर रहा था।

मालदीव पहुंचीं अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड

बीच से तस्वीरें साझा कर सुर्खियों में आईं

एंटरटेनमेंट डेस्क। इटैलियन ब्यूटी और अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी ने अपनी हॉटनेस से मालदीव के बीच पर आग लगा दी है। जॉर्जिया इन दिनों मालदीव में अपनी छुट्टियां बिता रही हैं। यहां समुंदर किनारे से जॉर्जिया ने अपनी कई बोल्ड और हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। जॉर्जिया की ये तस्वीरें अब सुर्खियां बटोर रही हैं।

अरबाज खान के साथ चर्चा में रही थी रिलेशनशिप

अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में रहने वाली जॉर्जिया ने सबसे अधिक सुर्खियां तब बटोरी थीं, जब वो सलमान खान के भाई अरबाज खान को डेट कर रही थीं। हालांकि, अरबाज ने कभी भी अपने और जॉर्जिया के रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं की। लेकिन दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया था।?

मलाइका अरोड़ा से तलाक के बाद अरबाज और जॉर्जिया के रिलेशनशिप ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए।

ब्लू बिकनी में बिखेरा जलवा

मालदीव पहुंचीं जॉर्जिया ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। इन तस्वीरों में जॉर्जया ब्लू कलर की बिकनी में अपनी हॉट अदाएं दिखा रही हैं। जॉर्जिया ने बिकनी में काफी बोल्ज पोज दिए हैं। इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर आग लगा दी है। तस्वीरें वायरल हैं और जॉर्जिया की बोल्डनेस की काफी चर्चा हो रही है।

बीच पर दिए बोल्ड पोज

जॉर्जिया हर तस्वीर में काफी बोल्ड पोज दे रही हैं। उन्होंने इस दौरान कई वीडियोज भी शेयर किए हैं। इनमें वो समुंदर के अंदर जा रही हैं और मजे कर रही हैं। जॉर्जिया की तस्वीरों में समुंदर और बीच की खूबसूरती भी साफ नजर आ रही है।

ब्रेकअप के बाद भी अरबाज को बताया था अच्छा दोस्त

हालांकि, अरबाज से ब्रेकअप के बाद जॉर्जिया ने अरबाज के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की थी। उस वक्त जॉर्जिया ने कहा था, 'हम दोस्त थे, हम सबसे अच्छे दोस्त की तरह थे। मेरे मन में उनके लिए हमेशा भावनाएं रहेंगी। इस समय हम बहुत अच्छे दोस्त हैं। हम हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं, उस समय भी जब हम दोस्त से बढ़कर थे। हम हमेशा बहुत करीब रहे हैं, साथ में खूब मस्ती की है। कभी–कभी लंबे रिश्ते से, यहां तक कि छोटे रिश्ते से भी वापसी करना मुश्किल होता है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना और उनकी पत्नी आकांक्षा चमोला टीवी इंडस्ट्री के मोस्ट पॉपुलर कपल हैं. दोनों के केमिस्ट्री फैंस को बेहद पसंद आती है और ये जोड़ी अक्सर कपल गोल्स भी सेट करती रहती है. हालांकि आकांक्षी का एक लेटेस्ट पोस्ट ने हर किसी का ध्यान खींचा है जिसके बाद लोग कयास लगा रहे है कि गौरव और आकांक्षा की शादीशुदा ज़िंदगी में कोई दिक्कतें चल रही हैं. जानते हैं आखिर आकांक्षा ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा है?

क्या ठीक नहीं चल रही गौरव और आकांक्षा की शादी?

बता दें कि आकांक्षा चमोला ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्रिप्टिक नोट शेयर किया, जिससे सब हैरान और परेशान हो गए. अपनी ब्लैक एंड व्हाइट पोस्ट में, आकांक्षा ने दिल टूटने के बारे में बात की और लिखा, "जिस रिश्ते की बुनियाद में सिर्फ ज़रूरतें हों. वहां दिल हमेशा कुर्बान होता है." अपनी पोस्ट के कैप्शन में, आकांक्षा ने लिखा, "जब हमें लगा कि हम तैयार हैं, तो हम नहीं थे."

फैंस कर रहे कमेंट

वहीं आकांक्षा के पोस्ट शेयर करने के तुरंत बाद, फैंस टेंशन में आ गए और कमेंट सेक्शन में जाकर पूछने लगे कि क्या आकांक्षा और गौरव के बीच सब ठीक है. इस क्रिप्टिक पोस्ट ने अटकलों का दौर शुरू कर दिया है, कुछ लोग सोच रहे हैं कि क्या यह पर्सनल मुश्किलों, उनके रिश्ते में दरार, या उनके आस–पास हाल ही में चल रहे विवादों के बारे में कोई छिपा हुआ मैसेज है।

टी20 विश्वकप के अब तक 9 संस्करण...

स्पोर्ट्स डेस्क। 2026 टी20 विश्व कप इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। इससे पहले नौ संस्करणों में आठ कप्तानों ने अपनी–अपनी टीमों को चैंपियन बनाया। इनमें सबसे कामयाब कप्तान डैरेन सैमी हैं। आइए देखते हैं कि बाकी कप्तानों का क्या हाल रहा है। टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस आठ दिन बचे हैं। इससे पहले आईसीसी और बांग्लादेश के बीच विवाद ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब बांग्लादेश बाहर हो चुका है और उसकी जगह आईसीसी ने स्कॉटलैंड को शामिल किया है, लिटन दास अपनी टीम को पहला टी20 खिताब दिलाने से वंचित रह गए। वहीं, पाकिस्तान भी बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी दे रहा है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं उन आठ कप्तानों के बारे में, जिन्होंने अब तक टी20 विश्व कप में कामयाबी चखी है। 2026 टी20 विश्व कप इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। इससे पहले नौ संस्करणों में आठ कप्तानों ने अपनी–अपनी टीमों को चैंपियन बनाया। इनमें सबसे कामयाब कप्तान डैरेन सैमी हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज की टीम 2012 और 2016, दो संस्करणों में चैंपियन बनी।

1. एमएस धोनी

टी20 विश्व कप के पहले संस्करण में भारतीय टीम ने एमएस धोनी के नेतृत्व में खिताब जीता था। टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था और खिताब पर कब्जा जमाया था। धोनी के नाम टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का भी रिकॉर्ड है। उन्होंने टी20 विश्व कप के छह संस्करणों में टीम इंडिया की कप्तानी की। धोनी की कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप में 33 मैच खेले और 21 में जीत हासिल की। 11 मैच में हार मिली और एक मैच बेनतीजा रहा।

2. यूनिस खान

2009 में पाकिस्तान ने यूनिस खान की कप्तानी में खिताब जीता। फाइनल में पाकिस्तान ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया था।

हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान कभी टी20 विश्व कप नहीं जीत सका। यूनिस की कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में सात मैच खेले और पांच में जीत हासिल की। दो में टीम को हार मिली। 2009 टी20 विश्व कप के बाद ही यूनिस को कप्तानी से हटा दिया गया था। 2010 में शाहिद अफरीदी कप्तान थे।

3. पाल कालीगवुड

2010 में इंग्लैंड ने पॉल कॉलिंगवुड की कप्तानी में खिताब पर कब्जा जमाया था। फाइनल में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया था। हालांकि, कॉलिंगवुड का बतौर कप्तान टी20 विश्व कप में मैच जीतने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप में कुल 17 मैच खेले और आठ में जीत हासिल की। आठ मैचों में टीम को हार मिली। एक मैच बेनतीजा रहा।

4. डैरेन सैमी

टी20 विश्व कप इतिहास के सबसे सफल कप्तान (खिताब के मायनों में) सैमी ने 2012 में वेस्टइंडीज को पहली पर इस प्रारूप का चैंपियन बनाया था। क्रिस गेल, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन से सजी टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 36 रन से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद उनकी कप्तानी में 2016 में भी वेस्टइंडीज की टीम इंग्लैंड को हराकर चैंपियन बनी थी।

वह दो टी20 विश्व कप जीतने वाले अकेले कप्तान हैं। सैमी की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप में कुल 18 मैच खेले हैं और 11 में जीत हासिल की है। पांच में टीम को हार का सामना करना पड़ा। एक मैच टाई रहा और एक मैच बेनतीजा रहा है।

5. लसिथ मलिंगा

2014 में लसिथ मलिंगा और श्रीलंका का साथ किस्मत ने खूब दिया था। टीम फाइनल में भारत को हराकर चैंपियन बनी थी। दरअसल, नियमित कप्तान दिनेश चांदीमल को स्लो ओवर रेट की वजह से एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। ऐसे में फाइनल में मलिंगा कप्तान रहे और टीम चैंपियन बनी। मलिंगा उसके बाद किसी टी20 विश्व कप में श्रीलंका के कप्तान नहीं बने। मलिंगा का रिकॉर्ड टी20 विश्व कप में तीन मैचों का है। उनकी कप्तानी में श्रीलंका ने इस टूर्नामेंट में तीन में से तीन मैच जीते हैं।

6. एरान लफच

2016 के पांच साल बाद टी20 विश्व कप खेला गया था। 2021 में एरॉन फिंच की कप्तानी में दुबई में ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराकर चैंपियन बनी थी। यह ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र टी20 विश्व कप का खिताब है। फिंच इसके बाद 2022 में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान रहे, लेकिन उनकी टीम कामयाबी नहीं दोहरा सकी। फिंच की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में कुल 10 मैच खेले और आठ में जीत हासिल की। दो में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

7. जोस बटलर

साल 2022 में जोस बटलर इंग्लैंड के लिए किस्मत लेकर आए। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। फाइनल में बेन स्टोक्स ने बेहतरीन पारी खेली थी। हालांकि, बटलर ने इसके बाद 2024 टी20 विश्व कप में भी कप्तानी की, लेकिन टीम सेमीफाइनल में भारत से हारकर बाहर हो गई। जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप में कुल 14 मैच खेले हैं और उसमें से नौ में जीत हासिल की। चार में टीम को हार का सामना करना पड़ा। एक मैच बेनतीजा रहा है।

8. रोहित शर्मा

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब जीतकर आखिरकार 11 साल के आईसीसी खिताब के सूखे को खत्म किया था। भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। इस जीत के बाद ही रोहित, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। रोहित की कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप में कुल 14 मैच खेले और 12 में जीत हासिल की। सिर्फ दो मैच टीम इंडिया उनकी कप्तानी में हारी है। ये दोनों मैच 2022 टी20 विश्व कप में थे, क्योंकि 2024 में भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही थी।

टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान

अब बात करते हैं, टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तानों के बारे में। इस लिस्ट में शीर्ष 10 में भारत के दो कप्तान हैं। वहीं, विराट कोहली का नाम काफी नीचे है, क्योंकि उन्होंने सिर्फ 2021 में एक संस्करण में टीम इंडिया की कप्तानी की।

पाकिस्तानी अंपायर की करतूत देख हंस पड़ेंगे

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 168 रन बनाए। अयूब ने 22 गेंद में 40 रन और आगा ने 27 गेंद में 39 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैम्पा ने चार विकेट झटके। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी। हालांकि, मैच से ज्यादा चर्चा पाकिस्तानी अंपायर के उस करतूत की हो रही है, जिसने सबको हंसने पर मजबूर कर दिया। राजनीति हो या क्रिकेट का मैदान, पाकिस्तान अपनी किरकिरी करवाने से कहीं बाज नहीं आता। टी20 विश्व कप 2026 से पहले आईसीसी ने अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना मजाक बनवाया है। दरअसल, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच के थर्ड अंपायर पाकिस्तान के नासिर हुसैन ने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को हंसने पर मजबूर कर दिया।

बांग्लादेश-पाकिस्तान के ड्रामे पर सुरेश रैना का करारा वार!

स्पोर्ट्स डेस्क। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बहिष्कार विवाद पर सुरेश रैना ने बांग्लादेश को जिम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। रैना ने कहा कि भारत में सुरक्षा पूरी थी और टूर्नामेंट से दूर रहने पर आईसीसी सख्त कार्रवाई कर सकता है। उनके मुताबिक, भारत में न खेलना क्रिकेटिंग, सांस्कृतिक और व्यावसायिक, तीनों स्तरों पर बड़ा नुकसान है। टी20 विश्व कप 2026 को बहिष्कार करने की पाकिस्तान की गीदड़भभकियों पर भारत के पूर्व स्टार और विश्व कप विजेता क्रिकेटर सुरेश रैना ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

रैना ने इस पूरे संकट के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (ठब्ठ) को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (च्ब्ठ) को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि टूर्नामेंट से दूर रहने की सोच उन्हें काफी महंगी पड़ सकती है।

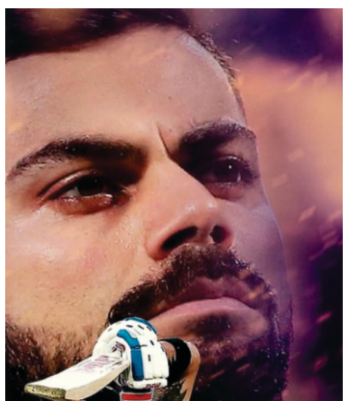

इंस्टाग्राम पर लौटे विराट कोहली

27 करोड़ फॉलोअर्स को राहत
8 घंटे तक क्यों रहा गायब उनका अकाउंट

स्पोर्ट्स डेस्क। आठ घंटे के दौरान विराट कोहली के अकाउंट को खोलने पर यूजर्स को 'प्रोफाइल उपलब्ध नहीं है' या 'यूजर नॉट फाउंड' जैसे मैसेज दिख रहा था। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। फैंस पूछ रहे थे कि क्या सबकुछ ठीक है? या फि कुछ बड़ा होने वाला है? भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट शुक्रवार तड़के अचानक गायब हो गया था, जिससे 274 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स यानी करीब 27 करोड़ फॉलोअर्स बेचैन हो गए थे। हालांकि, करीब आठ घंटे तक इंस्टाग्राम से गायब रहने के बाद कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट वापस से एक्टिवेट हो चुका है। उनके अकाउंट पर वापस से पोस्ट दिखने लगे हैं और सर्च में भी आ रहा है। उनका दुबई को प्रमोट करने वाला आखिरी पोस्ट भी दिख रहा है। इसमें वह पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ नजर आए थे।

क्या है पूरा मामला?

गुरुवार की दरमियानी रात करीब एक बजे उनका इंस्टाग्राम अकाउंट दिखना बंद हुआ था और शुक्रवार सुबह नौ बजे अकाउंट फिर से दिखने लगा। इस आठ घंटे के दौरान विराट कोहली के अकाउंट को खोलने पर यूजर्स को 'प्रोफाइल उपलब्ध नहीं है' या 'यूजर नॉट फाउंड' जैसे मैसेज दिख रहा था। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी। साथ ही विराट कोहली के भाई विकास कोहली के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी यही मैसेज दिख रहा था। इतना ही नहीं, रोहित शर्मा के इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगे मैसेज ने फैंस को बेचैन कर दिया था। फैंस पूछ रहे थे कि क्या सबकुछ ठीक है? या फि कुछ बड़ा होने वाला है?

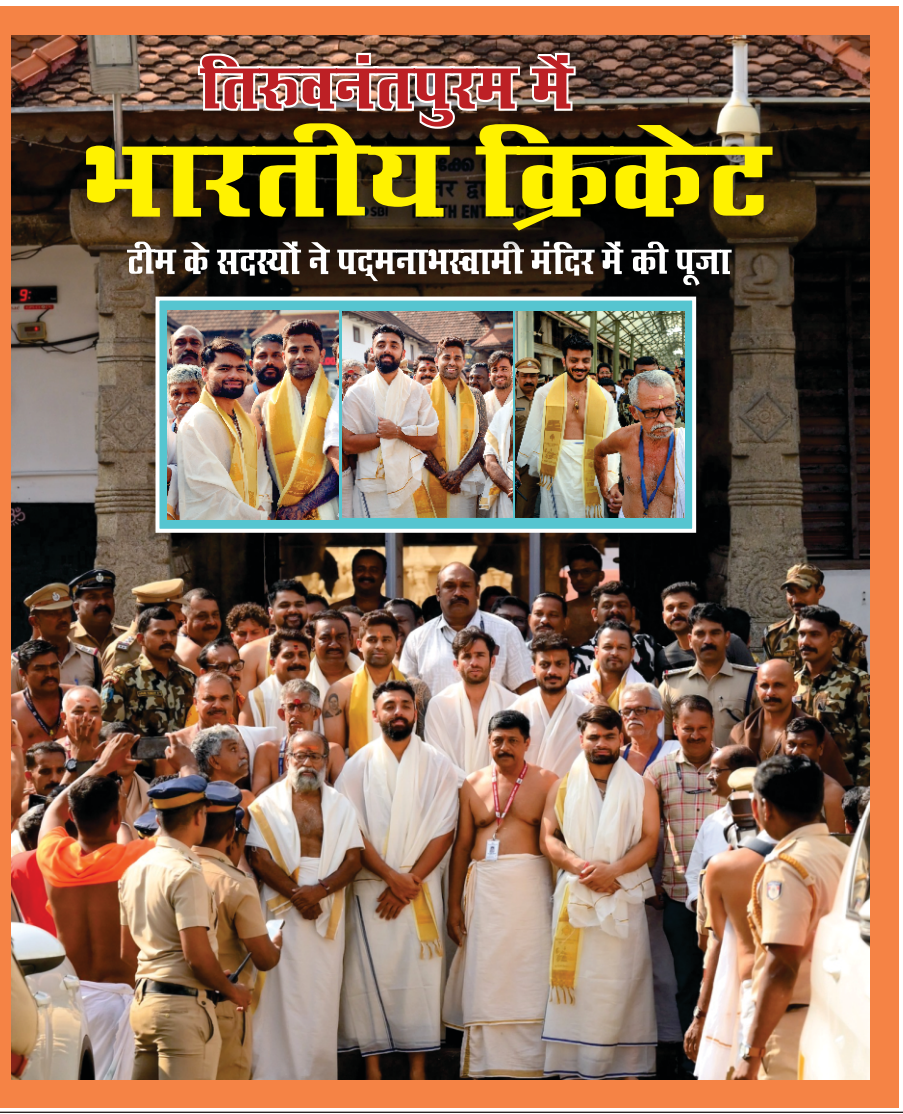

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।